Drishti IAS

करेंट अफेयर्स झारखंड

फरवरी 2023 (संग्रह)

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry (English): 8010440440, Inquiry (Hindi): 8750187501
Email: help@groupdrishti.in

अनुक्रम

झारखंड **3**

- झारखंड के बेतला नेशनल पार्क से लुप्त हो गए वाइल्ड डॉग 3
- झारखंड में पीडीएस सशक्तीकरण पखवाड़ा शुरू 3
- झारखंड कृषि एवं पशुधन विपणन विधेयक-2022 को मिली राज्यपाल की मंजूरी 4
- केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने झारखंड के देवघर में IFFCO नैनो यूरिया प्लांट के पाँचवे सयंत्र का भूमिपूजन और शिलान्यास किया 5
- लोहरदगा में दिखे दो दुर्लभ प्रवासी पक्षी 5
- सिमडेगा में मिले आदिमानव के साक्ष्य 6
- इनफ्लुएंसर बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड और राष्ट्रीय प्रतिष्ठा अवार्ड से सम्मानित गुमला के युवा 6
- झारखंड के जमशेदपुर, बोकारो और धनबाद में बनेगा सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क 7
- झारखंड से आठ लड़कियों का सिंगल गर्ल चाइल्ड फेलोशिप 2022-23 में हुआ चयन 7
- राज्यपाल ने तीसरी बार लौटाया झारखंड वित्त विधेयक-2022 8
- यूजीसी रेगुलेशन-2018 (संशोधन) नियमावली को मिली मंजूरी 8
- रक्षक ऐप 9
- झारखंड के नए राज्यपाल बने सी.पी. राधाकृष्णन 9
- झारखंड नगरपालिका (संशोधन) विधेयक-2022 को मिली स्वीकृति 9
- अजय कुमार सिंह बने झारखंड के नए डीजीपी 10
- 10वीं राष्ट्रीय रेस वॉक चैंपियनशिप संपन्न 10
- डीवीसी को मिला आईएसी कॉरपोरेट अवॉर्ड 2023 11
- राँची को मिलेगा दो अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता की मेजबानी का मौका 11
- नेशनल पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में झारखंड को 21 गोल्ड समेत 32 पदक 11
- संगीत नाट्य अकादमी अवार्ड से सम्मानित हुए बाँसुरी वादक पंडित चेतन जोशी 12
- राष्ट्रपति पुरस्कार के लिये कोडरमा के अरकोशा और कंझाटांड़ गाँवों का चयन 12
- भारतीय महिला फुटबॉल टीम के राष्ट्रीय कैंप के लिये सिमडेगा की 2 महिला फुटबॉलर चयनित 13

नोट :

झारखंड

झारखंड के बेतला नेशनल पार्क से लुप्त हो गए वाइल्ड डॉग

चर्चा में क्यों ?

1 फरवरी, 2023 को मीडिया सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार झारखंड के बेतला नेशनल पार्क में करीब 200 की संख्या में पाए जाने वाले वाइल्ड डॉग यानी कोइया अब लुप्त हो गए हैं, 2010 के बाद से इन्हें नहीं देखा गया है।

प्रमुख बिंदु

- जानकारी के अनुसार 1974 में पलामू टाइगर रिजर्व की स्थापना के समय से ही बेतला नेशनल पार्क में वाइल्ड डॉग की लगातार उपस्थिति रही थी। विशेषज्ञों की माने तो रेबीज बीमारी के कारण कोइया लुप्त हो गए।
- बेतला नेशनल पार्क में पाए जाने वाले वाइल्ड डॉग को स्थानीय भाषा में 'कोइया' कहा जाता है। अब यह लुप्तप्राय प्रजाति के रूप में घोषित कर दिया गया है। वर्ष 2010 के बाद अब तक उन्हें नहीं देखा गया है। इसके पहले सैकड़ों की संख्या में वाइल्ड डॉग बेतला नेशनल पार्क में देखे जाते थे। बेतला से लेकर बारेसाढ़ के जंगलों तक इसका आना-जाना होता रहता था।
- वन्य प्राणी विशेषज्ञ डॉ. डीएस श्रीवास्तव बताते हैं कि वाइल्ड डॉग के बेतला से लुप्त होने के प्रमुख कारणों में एक रेबीज है। संभवत: घरेलू कुत्ते द्वारा पीये गए पानी में संक्रमण होने के कारण वाइल्ड डॉग भी संक्रमित हो गए होंगे और उनकी मौत हो गई।
- गौरतलब है कि बेतला नेशनल पार्क के नुनाही ग्रास प्लॉट के पास बड़े-बड़े पत्थरों की गुफा है। इन गुफाओं में ही वाइल्ड डॉग का निवास होता था। यहाँ की गुफा में यह लोग शिकार करने के बाद छिप जाते थे। इतना ही नहीं, शाम के समय में वाइल्ड डॉग बड़े-बड़े पत्थरों पर बैठ जाते थे, जिनका दीदार पर्यटकों के द्वारा किया जाता था।
- वाइल्ड डॉग बड़े ही योजनाबद्ध तरीके से जंगली जानवरों का शिकार करते थे। इनका प्रिय भोजन सांभर और हिरण था। यह झुंड में रहते थे जब इन्हें शिकार करना होता था, तो वे चारों तरफ से शिकार को घेर लेते थे।
- बेतला के गाइड बताते हैं कि मुख्य गेट के सामने भी कई बार हिरण को पकड़ने के लिये वाइल्ड डॉग का समूह पहुँच जाता था और उन्हें घेरकर हमला कर मार दिया जाता था।

झारखंड में पीडीएस सशक्तीकरण पखवाड़ा शुरू

चर्चा में क्यों ?

1 फरवरी, 2023 को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आदेश के बाद राज्य में अन्न के अधिकार से वंचित जरूरतमंद लाभुकों को राशन कार्ड उपलब्ध कराने की गति में तेज़ी लाने के लिये पीडीएस सशक्तीकरण पखवाड़ा का आयोजन शुरू किया गया है। यह 14 फरवरी तक चलेगा।

प्रमुख बिंदु

- पीडीएस सशक्तीकरण पखवाड़ा के तहत राशनकार्ड में आधार सुधार संबंधित कार्य, एक व्यक्ति का कई राशनकार्ड में दर्ज नाम को हटाने की कार्रवाई, राशनकार्ड में मृत व्यक्तियों का नाम हटाने, अपवाद पंजी से खाद्यान्न प्राप्त करने वाले लाभुकों के चिह्नितीकरण की कार्रवाई, डुप्लीकेट आधार संख्या का सत्यापन, पिछले छह महीने या अधिक समय से खाद्यान्न उठाव नहीं करने वाले लाभुकों का भौतिक सत्यापन, दाल-भात केंद्र के लाभुकों को दाल-भात ऐप्स के माध्यम से भोजन और ऑफलाइन डीलर को ऑनलाइन में परिवर्तन करने की कार्रवाई की जा रही है।

नोट :

- मुख्यमंत्री के आदेश पर न सिर्फ पीडीएस सशक्तीकरण पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है, बल्कि आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजनांतर्गत आच्छादित लाभुकों के ई-केवाईसी के माध्यम से तेजी से नि:शुल्क आयुष्मान कार्ड बनाने के लिये निर्देशित किया गया है। इसके लिये 1 फरवरी से 15 फरवरी, 2023 तक प्रज्ञा केंद्र के माध्यम से कैंप आयोजित कर आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजनांतर्गत आच्छादित लाभुकों का ई-केवाईसी के माध्यम से नि:शुल्क आयुष्मान कार्ड बनवाना सुनिश्चित होगा।
- इस कार्य में सहिया, राशन डीलर्स, स्वयं सहायता समूह की महिलाएँ, सेविका एवं अन्य अधिक से अधिक योग्य परिवारों को कैंप में लाना सुनिश्चित करेंगे। सभी प्रज्ञा केंद्रों को हर दिन कम से कम 50 योग्य परिवारों के रजिस्ट्रेशन का लक्ष्य निर्धारित है।
- सहिया, राशन डीलर्स, स्वयं सहायता समूह की महिलाएँ, सेविका एवं अन्य कार्ड बनवाने में असमर्थ कम से कम 15 लोगों को हर दिन निकतम प्रज्ञा केंद्रों में लेकर जाना सुनिश्चित करेंगे।
- प्रखंड विकास पदाधिकारी सभी पंचायतों में कैंप आयोजन के लिये आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

झारखंड कृषि एवं पशुधन विपणन विधेयक-2022 को मिली राज्यपाल की मंजूरी

चर्चा में क्यों ?

3 फरवरी, 2023 को झारखंड के राज्यपाल रमेश बैस ने चार सुझावों के साथ झारखंड विधानसभा से पारित 'झारखंड राज्य कृषि उपज एवं पशुधन विपणन विधेयक-2022' को अपनी सहमति प्रदान कर दी है।

प्रमुख बिंदु

- 'झारखंड राज्य कृषि उपज एवं पशुधन विपणन विधेयक-2022' पर राज्यपाल की स्वीकृति के बाद अब राज्य में मुख्य रूप से खरीदारों से दो प्रतिशत कृषि बाज़ार टैक्स तथा तुरंत नष्ट होने वाले कृषि उपज पर एक प्रतिशत टैक्स लगेगा।
- इसके अलावा विधेयक में कृषि विपणन में निजी भागीदारी व कृषकों को बाज़ार के अधिक विकल्प उपलब्ध कराने की बात कही गई है।
- गौरतलब है कि 24 मार्च, 2022 को झारखंड विधानसभा से यह विधेयक पारित करा कर पहली बार राज्यपाल के पास भेजा गया था, लेकिन राज्यपाल की ओर से हिन्दी-अंग्रेजी रूपांतरण सहित अन्य कई आपत्तियों के साथ इसे अस्वीकृत कर सरकार को 17 मई, 2022 को लौटा दिया गया था।
- दूसरी बार शीतकालीन सत्र में 24 दिसंबर, 2022 को विधानसभा द्वारा विधेयक को स्वीकृति के लिये राज्यपाल के पास भेजा गया था। इसके बाद राज्यपाल ने एक फरवरी 2023 को विधेयक में निहित प्रावधानों को लेकर कृषि मंत्री व कृषि सचिव के साथ चर्चा की। विधेयक पर चर्चा के लिये किसी मंत्री को पहली बार राजभवन बुलाया गया था।
- राज्यपाल ने विधेयक के संबंध में कई सुझाव भी राज्य सरकार को दिये हैं, जिसमें बताया गया है कि इस विधेयक के आलोक में नियमावली के गठन के दौरान सभी हितधारकों से व्यापक चर्चा सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा बाज़ार शुल्क की दर निर्धारण में राज्य के ग्रामीण तथा अनुसूचित जनजातीय (एसटी) समुदाय के कृषकों का विशेष ध्यान रखते हुए शुल्क का निर्धारण किया जाए।
- इस विधेयक में मुख्य रूप से किसानों के उत्पाद को बाज़ार उपलब्ध कराने की बात कही गई है। राज्यों से आयातित वस्तुओं पर अधिकतम स्लैब दो प्रतिशत कृषि शुल्क लगाने का प्रावधान है। कच्चे माल में एक प्रतिशत और सीलबंद पैक माल यानि जल्द खराब नहीं होने वाले माल पर अधिकतम एक प्रतिशत टैक्स लेने का प्रावधान है।
- विधेयक में कृषि बाज़ार समितियों में राज्य सरकार द्वारा मनोनीत या निर्वाचित जनप्रतिनिधि को अध्यक्ष बनाया जाना, 'एक देश एक बाज़ार' के तहत राज्य के कृषकों को आधुनिक विपणन व्यवस्था के तहत इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग पोर्टल से जोड़ना, कृषि बाज़ार टैक्स से प्राप्त राजस्व से ग्रामीण हाट-बाज़ारों के आधुनिकीकरण के साथ नये बाज़ारों की स्थापना करना, ताकि किसानों को प्रत्येक 10 किमी. पर बाज़ार उपलब्ध हो सके आदि प्रावधान हैं।
- इस विधेयक के अलावा राज्यपाल रमेश बैस ने झारखंड विधानसभा से पारित 'झारखंड आकस्मिकता निधि (संशोधन) विधेयक- 2022' को भी अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस विधेयक द्वारा अब राज्य की आकस्मिक निधि से निकासी की राशि 500 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 1200 करोड़ रुपए तक की कर दी गई है।

नोट :

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने झारखंड के देवघर में IFFCO नैनो यूरिया प्लांट के पाँचवे सयंत्र का भूमिपूजन और शिलान्यास किया

चर्चा में क्यों ?

4 फरवरी, 2022 को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने झारखंड के देवघर में विश्व के पहले इफको (IFFCO) नैनो यूरिया प्लांट के पाँचवे सयंत्र का भूमिपूजन और शिलान्यास किया।

प्रमुख बिंदु

- केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि नैनो यूरिया की देवघर इकाई बनने से यहाँ प्रतिवर्ष लगभग 6 करोड़ तरल यूरिया की बोतलों का निर्माण किया जाएगा जिससे इसके आयात पर हमारी निर्भरता कम होगी और भारत इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेगा।
- केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 500 ग्राम की एक छोटी सी बोतल यूरिया के एक पूरे बैग का विकल्प बनेगी। केमिकल फर्टिलाइजर भूमि में उपस्थित कुदरती खाद बनाने वाले केंचुओं को मार देता है वहीं तरल यूरिया का छिड़काव करने पर भूमि किसी भी प्रकार से विषाक्त नहीं होगी।
- उन्होंने कहा कि किसानों की सहकारिता से बने इफको ने विश्व में सर्वप्रथम तरल नैनो यूरिया बनाया और अब डीएपी (डी-अमोनियम फॉस्फेट) की ओर आगे बढ़ रहा है। यह भारत और पूरे सहकारिता क्षेत्र के लिये गौरव की बात है। प्रधानमंत्री ने सहकारिता को बढ़ावा देने के लिये बजट में कई योजनाओं की घोषणा की। इसके तहत उत्पादन के क्षेत्र में नई सहकारिता इकाईयों के लिये इनकम टैक्स की दर 26% से घटाकर 15% कर दी गई है।
- केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि आज लगभग 5 देशों में तरल यूरिया का निर्यात किया जा रहा है। इफको द्वारा बनाया गया यह तरल यूरिया न केवल भारत बल्कि विश्व के किसानों की भी मदद करेगा।
- उन्होंने कहा कि देवघर में 30 एकड़ में बन रहा तरल यूरिया का यह छोटा सा कारखाना आयातित 6 करोड़ यूरिया खाद के बैग के विकल्प का निर्माण करेगा जिससे भारत इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेगा। इससे किसान की भूमि भी संरक्षित रहेगी और उत्पादन में भी वृद्धि होगी।
- अमित शाह ने समग्र पूर्वी भारत के किसानों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि तरल नैनो यूरिया का यह कारखाना न केवल झारखंड बल्कि बिहार, उड़ीसा और बंगाल के किसानों के खेतों में भी उत्पादन बढ़ाने में उपयोगी साबित होगा।

लोहरदगा में दिखे दो दुर्लभ प्रवासी पक्षी

चर्चा में क्यों ?

6 फरवरी, 2023 को मीडिया सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार झारखंड के लोहरदगा में 149 वर्ष बाद कछमाछी स्थित नंदी धाम में फिर दो दुर्लभ प्रवासी पक्षी 'लेस्सर एडजुटेंट स्टॉर्क' हिन्दी नाम 'गरुड़' और स्थानीय नाम 'गांडागंदुर' नजर आये हैं।

प्रमुख बिंदु

- उल्लेखनीय है कि इससे पहले लोहरदगा में वर्ष 1874 में एक गरुड़ दिखा था। हालाँकि, झारखंड में इससे पहले वर्ष 2011 में साहिबगंज की उधवा लेक बर्ड सेंचुरी में चार की संख्या में ये लुप्तप्राय पक्षी नजर आए थे। वहीं 2012 में सरायकेला-खरसावां के रंगामाटी में एक गरुड़ नज़र आया था।
- झारखंड प्रवासी पक्षियों की पसंदीदा जगह है। यही कारण है कि नवंबर से ही विभिन्न जिलों के जलाशय, पोखर और नदी के आसपास के दलदली इलाकों में बड़ी संख्या में प्रवासी पक्षियों के झुंड नज़र आने लगते हैं।
- वाइल्ड लाइफ बायोलॉजिस्ट संजय खाखा ने बताया कि 5 फरवरी, 2023 को बर्ड वाचिंग के दौरान उन्हें ये पक्षी नंदी धाम स्थित दलदली इलाके के ऊंचे पेड़ों पर बैठे नज़र आए।
- संजय खाखा ने बताया कि नजर आए गरुड़ पक्षी वयस्क हैं। इनकी लंबाई करीब 55 इंच है। आमतौर पर यह पक्षी ऊँचे पेड़ पर अपना निवास ढूंढते हैं, ताकि आम लोगों की नज़र से दूर रहें।
- इन गरुड़ में नर और मादा को फर्क करना मुश्किल है। दोनों का रंग सामान्यत: समान होता है। जबकि नर का शरीर मादा से भारी आँका गया है। मादा की लंबाई 45 से 50 इंच तक आँकी गई है।

नोट :

- वयस्क गरुड़ का चेहरा लाल, सिर का रंग भूरा और सफेद, पतली गर्दन का रंग पीला, पंख का रंग ग्रे (सिलेटी रंग) और शरीर का रंग सफेद होता है।
- गौरतलब है कि इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) स्टॉर्क यानी सारस प्रजाति के पक्षी लेस्सर एडजुटेंट स्टॉर्क को 2020 में लुप्तप्राय पक्षी की श्रेणी में चिह्नित कर चुकी है। तेजी से कम होती इन पक्षियों की संख्या को देखते हुए इन्हें विलुप्तप्राय यानी रेड लिस्ट कैटेगरी में शामिल किया गया है।

सिमडेगा में मिले आदिमानव के साक्ष्य

चर्चा में क्यों ?

7 फरवरी 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार प्राकृतिक सुंदरता, हॉकी तथा आदिवासी बाहुल्य ज़िले के रूप में जाना जानेवाला सिमडेगा में आदिमानव के साक्ष्य मिले हैं।

प्रमुख बिंदु

- डॉ. अंशुमाला तिर्की व बालेश्वर कुमार बेसरा ने ज़िले के कई स्थलों का भ्रमण कर आदिमानव द्वारा बनाए गए शैलचित्र ढूंढ निकाले हैं। ये शैलचित्र बिरू, बंगरू घोसरा, छूरिया, पूरनापानी, कोलेबिरा के भँवर पहाड़ तथा जलडेगा के परबा जैसे स्थानों से मिले हैं।
- ये शैलचित्र मुख्यत: लाल व सफेद रंगों से बनाई गई है। इन चित्रों में आखेट, जंगली जानवर, डॉमेस्टिकेशन व ज्यामितीय आकृतियाँ हैं।
- केरसई प्रखंड के ढोडीजोर गाँव में नवपाषाण कालीन ग्रुभस प्रमुख रूप से मिले हैं। ये पाँच सौ से भी ज्यादा संख्या में मिले हैं। चित्रों को देखने से प्रतीत होता है कि यह चित्र मध्यपाषाण काल से लेकर नवपाषाण काल तक के हैं।
- आदिमानव के ये साक्ष्य झारखंड के क्रमबद्ध इतिहास को लिखने में सहायक होगा। ये साक्ष्य इतिहास, पुरातत्व, नृविज्ञान तथा कला के शोधार्थियों को भी आकर्षित करेगा।
- उल्लेखनीय है कि इन आदिमानव द्वरा बनाये गए शैलचित्रों को खोजने वाले डॉ अंशु माला तिर्की स्वतंत्र पुरातत्वविद, इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च के प्रोजेक्ट में रिसर्च एसोसिएट हैं वहीं बालेश्वर कुमार बेसरा स्वतंत्र पुरातत्वविद, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (नई दिल्ली) की परियोजना में अनुसंधान सहायक है।

इनफ्लुएंसर बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड और राष्ट्रीय प्रतिष्ठा अवार्ड से सम्मानित गुमला के युवा

चर्चा में क्यों ?

8 फरवरी 2023 को झारखंड के गुमला ज़िले के युवाओं द्वारा बनाये गये ऐप 'द जोहार झारखंड और मुस्कुराए आप गुमला में हैं' को इनफ्लुएंसर बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड और उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय प्रतिष्ठा अवार्ड मिला है।

प्रमुख बिंदु

- सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, गुमला के सभागार में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि लोक अभियोजक एके पांडे, डीपीआरओ संजय कुमार और ज़िला प्रेस एसोसिएशन गुमला के महासचिव दुर्जय पासवान द्वारा युवाओं को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।
- साथ ही शून्य से शिखर तक नाम से गुमला का पहला फेसबुक डिजिटल क्विज कराया गया। वहीं, लाइव इंस्टाग्राम पेज द्वारा से 'द जोहार झारखंड और मुस्कुराए आप गुमला में' कार्यक्रम हुआ। इसमें सफल होने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।
- विजेता मोहम्मद दिलशाद, उमा सिंह, श्रेया पांडे, रंजू कुमारी, रवि कुमार रंजन, ऋषभ धीरज और शशिकांत को पुरस्कार दिया गया।
- इन युवाओं ने 'द जोहार झारखंड ऐप, मुस्कुराए आप गुमला में हैं' व गुमला लाइव इंस्टाग्राम पेज बनाए हैं, जिसके माध्यम से राज्य के जितने भी टूरिज्म स्पॉट हैं, उनका प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। साथ ही ये सभी युवा प्रकृति संरक्षण पर भी काम रहे हैं। टूरिज्म को लेकर इन युवाओं ने कई अवार्ड भी जीता है।

नोट :

झारखंड के जमशेदपुर, बोकारो और धनबाद में बनेगा सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क

चर्चा में क्यों ?

8 फरवरी 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने झारखंड के जमशेदपुर, बोकारो और धनबाद में सॉफ्टवेयर पार्क के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि केंद्र सरकार देश के छोटे शहरों में डिजिटल संभावना का विस्तार करना चाहती है जिससे युवाओं को डिजिटल अर्थव्यवस्था में भागीदार बनाया जा सके। इसके लिये छोटे शहरों में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क की स्थापना की जा रही है।
- इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफार्मेशन टेक्नोलॉजी मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त संस्था सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया का गठन किया गया है।
- राज्यों से मिले प्रस्ताव के अनुसार देश में अब तक 63 सॉफ्टवेयर पार्क का गठन हो चुका है। इसके अतिरिक्त मंत्रालय ने 22 सॉफ्टवेयर पार्क के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।
- झारखंड के राँची और देवघर में पहले ही ऐसे पार्कों का गठन हो चुका है।
- इसके अलावा मंत्रालय ने इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र में निवेश को आकर्षित करने के लिये इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर योजना को मंजूरी दी थी।
- इस योजना के तहत विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ समान सुविधाओं के विकास के लिये सहायता देना था।
- इस योजना के तहत 19 ग्रीनफील्ड इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर, तीन समान सुविधा केंद्र के प्रस्ताव को मंजूरी दी जा चुकी है। इसके तहत झारखंड के आदित्यपुर में क्लस्टर के गठन को मंजूरी दी गई। इस क्लस्टर पर 97।88 करोड़ रुपये खर्च का अनुमान लगाया गया और 41।48 करोड़ रुपये जारी किया जा चुका है।

झारखंड से आठ लड़कियों का सिंगल गर्ल चाइल्ड फेलोशिप 2022-23 में हुआ चयन

चर्चा में क्यों ?

सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले सिंगल गर्ल चाइल्ड फेलोशिप -2022-23 के लिये झारखंड से आठ लड़कियों का चयन किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा जारी सूची के अनुसार, झारखंड की आर्य राज, अंशुका सत्पथी, अर्पणा गांगुली, कुमारी प्रियंका, नेहा चक्रवर्ती, प्रांजल शाह, शिप्रा हर्ष व उषाही आइन शामिल हैं।
- उल्लेखनीय है कि देश भर से कुल 1129 लड़कियों का चयन किया गया है। इस योजना के तहत जो लड़कियाँ घर में एकल हैं, उनकी शिक्षा को बढ़ावा देना और रिसर्च कार्य के लिये प्रोत्साहित करना है।
- यहाँ एकल का तात्पर्य परिवार की वैसी लड़की, जिसका कोई भाई या बहन नहीं है। जुड़वाँ बेटी/भाई बहनों में से एक है। यदि किसी परिवार में एक या एक से अधिक पुत्र और एक पुत्री है, तो वह पात्र नहीं होगी।
- फेलोशिप पाँच वर्ष के लिये दी जाएगी। जूनियर रिसर्च फेलोशिप के तहत 31 हज़ार रुपए प्रतिमाह दिये जाएंगे। सीनियर रिसर्च फेलो को 35 हज़ार रुपए प्रतिमाह मिलेंगे।
- इसी प्रकार दिव्यांग को 35 हज़ार रुपए प्रतिमाह मिलेंगे। लाभार्थियों को छात्रावास की सुविधा भी मिलेगी।
- इस योजना के तहत मानविकी और सामाजिक विज्ञान की छात्राओं को अन्य खर्च के लिये हर साल 10-10 हज़ार रुपए दो वर्ष के लिये तथा 25 हज़ार रुपए शेष कार्यकाल के लिये दिये जाएंगे।
- वहीं, विज्ञान/इंजीनियरिंग/टेक्नोलॉजी की छात्राओं को हर साल 12-12 हज़ार रुपए दो वर्ष के लिये दिये जाएंगे तथा 25 हज़ार रुपए शेष कार्यकाल के लिये दिये जायेंगे। दिव्यांग छात्रा को पाठक सहायता के लिये प्रति माह तीन हज़ार रुपए दिये जाएंगे।

नोट :

राज्यपाल ने तीसरी बार लौटाया झारखंड वित्त विधेयक-2022

चर्चा में क्यों ?

9 फरवरी, 2022 को झारखंड के राज्यपाल रमेश बैस ने झारखंड विधान सभा से पारित झारखंड वित्त विधेयक-2022 को तीसरी बार राज्य सरकार को वापस लौटा दिया है।

प्रमुख बिंदु

- राज्यपाल ने विधेयक में कई बिंदुओं पर गंभीरतापूर्वक समीक्षा करने तथा इसे विधि विभाग से मंतव्य प्राप्त कर अनुमोदन के लिये भेजने का निर्देश दिया है।
- राज्यपाल ने कहा है कि विधेयक में गंभीरतापूर्वक विचार करें कि यह संविधान की अनुसूची -सात के अंतर्गत राज्य सूची में समाहित है या नहीं साथ ही विधेयक में बीमा या अन्य प्रावधानों से संबंधित कोई विवरण संघ सूची अथवा समवर्ती सूची में तो सम्मिलित नहीं है ? क्योंकि भारत के संविधान के अनुसूची सात के अंतर्गत संघ सूची- एक के क्रम संख्या 47 में बीमा से संबंधित विषय का वर्णन किया गया है।
- उल्लेखनीय है कि राज्यपाल रमेश बैंस इससे पहले इस वित्त विधयेक को दो बार बिना स्वीकृति के लौटा चुके हैं। राज्यपाल ने पहली बार अप्रैल 2022 में हिन्दी और अंग्रेजी संस्करण में रूपांतरण संबंधी विभिन्न विसंगतियों के कारण इस विधेयक को वापस कर दिया गया था।
- इसके बाद राज्य सरकार द्वारा संशोधित विधेयक को बिना झारखंड विधानसभा से पारित किये ही विभागीय स्तर से सीधे राज्यपाल के पास स्वीकृति के लिये भेज दिया गया था। उस वक्त राज्यपाल ने प्रशासनिक अधिकारियों की कार्यशैली पर भी सवाल उठाया था और कहा था कि यह विधेयक धन विधेयक है। इसे दुबारा भेजने के लिये विधानसभा से पारित कराना जरूरी होता है। लेकिन अधिकारियों ने सीधे अपने स्तर से संशोधन कर राजभवन भेज दिया था, जिसे राज्यपाल ने लौटा दिया। इसके बाद आठ दिसंबर 2022 को विधानसभा से पारित करा कर भेजने की अनुमति प्रदान की थी।
- गौरतलब है कि झारखंड वित्त विधेयक -2022 का मूल उद्देश्य मुद्रांक शुल्क (स्टांप ड्यूटी) में वृद्धि करना है। इस वृद्धि से राज्य के राजस्व संग्रह में वृद्धि की जा सकती है।
- विधेयक का उद्देश्य बिहार इंटरटेनमेंट ड्यूटी कोर्ट फीस एवं स्टांप (सरचार्ज संशोधन) अधिनियम 1948 की धारा पाँच अंतर्गत 110 प्रतिशत अतिरिक्त मुद्रांक शुल्क को समाप्त करना है। क्योंकि जब राज्य सरकार द्वारा भारतीय मुद्रांक अधिनियम 1899 की अनुसूची एक (क) में वर्णित मुद्रांक शुल्क में बढ़ोतरी की जा रही है, तो सरचार्ज के रूप में अतिरिक्त 110 प्रतिशत मुद्रांक शुल्क संग्रह करना आवश्यक नहीं है।

यूजीसी रेगुलेशन-2018 (संशोधन) नियमावली को मिली मंजूरी

चर्चा में क्यों ?

13 फरवरी 2023 को झारखंड के राज्यपाल रमेश बैस ने यूजीसी रेगुलेशन-2018 (संशोधन) नियमावली को मंजूरी प्रदान कर दी है।

प्रमुख बिंदु

- इस संशोधित नियमावली के स्वीकृत होने से शिक्षकों, पदाधिकारियों व प्राचार्य की नियुक्ति व प्रोन्नति की न्यूनतम अर्हता तय हो गई है।
- विश्वविद्यालों में असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्ति में नैक ग्रेडिंग के आधार पर पीएचडी प्वाइंट की अनिवार्यता समाप्त हो गयी है। ऐसे में असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्ति में अधिक से अधिक युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित हो सकेगी।
- पहले 1 से 100 एनआईआरएफ रैंकिंग वाले या ए/ए प्लस/ए प्लस प्लस संस्थान से पीएचडी करने पर 30 प्वाइंट निर्धारित थे। इससे झारखंड के विद्यार्थी पिछड़ रहे थे।
- असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्ति के लिये अब झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा झारखंड पात्रता परीक्षा (जेट) का आयोजन किया जाएगा।
- इसके अलावा एक जुलाई 2023 तक जो नेट पास रहेंगे, वे असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्ति के लिये योग्य होंगे, लेकिन दो जुलाई 2023 से जो भी नेट पास होंगे, उन्हें पीएचडी करना अनिवार्य होगा। तभी वे असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्ति के योग्य होंगे।
- इसी प्रकार 6 अगस्त 2021 से जो प्राचार्य बने हैं, वे पाँच वर्ष के बाद सीधे प्रोफेसर बन जाएंगे। लेकिन जो प्राचार्य पुन: प्राचार्य के पद पर ही रहना चाहते हैं, तो उन्हें अगले पाँच वर्ष के लिये झारखंड लोक सेवा आयोग से स्वीकृति लेनी होगी। प्राचार्य के लिये अभ्यर्थी को कम से कम एसोसिएट प्रोफेसर होना होगा।
- विश्विद्यालय अधिकारी की नियुक्ति में सीनियर स्केल के रूप में कम से कम 19 वर्ष की सेवा पूरी करनी होगी।

नोट :

रक्षक ऐप

चर्चा में क्यों ?

10 फरवरी, 2023 को झारखंड के सिमडेगा ज़िला समाहरणालय स्थित एसपी कार्यालय में एसपी सौरभ कुमार ने बिट पुलिसिंग के तहत रक्षक ऐप लॉन्च किया।

प्रमुख बिंदु

- बिट पुलिसिंग के तहत विभागीय स्तर पर झारखंड में सिमडेगा ज़िला पहला है जहाँ पर रक्षक ऐप लॉन्च किया गया है।
- बिट पुलिसिंग के जरिये शहरी व ग्रामीण इलाकों के मुख्य संस्थान, प्रतिष्ठान के अलावा वैसे स्थल जहाँ पर क्राइम की संभावना बनी रहती है, वहाँ पर रक्षक ऐप का क्यूआर कोड लगाया जाएगा। गस्ती दल में जो भी पुलिसकर्मी शामिल रहेंगे उनको उक्त स्थल पर जाकर रक्षक ऐप को स्कैन करना पड़ेगा। इससे पुलिस की गतिविधि और बढ़ जाएगी।
- पुलिस की गतिविधि बढ़ेगी तो निश्चित रूप से आम नागरिकों को सुरक्षा के दृष्टिकोण से फायदा मिलेगा।
- रक्षक ऐप का क्यूआर कोड लगाने के लिये ज़िले के सरकारी गैर सरकारी संस्था के अलावा विभिन्न प्रकार के स्थलों को चयनित किया गया है।
- रक्षक ऐप के माध्यम से ज़िले की क्राइम कंट्रोल में पुलिस को मदद मिलेगी। वहीं पुलिस आम नागरिकों को सुरक्षा मुहैया कराने में पहले से और ज्यादा तत्पर रहेगी।
- इस एप्लिकेशन का उपयोग इमरजेंसी की स्थिति में किया जा सकता है, जहाँ एक बटन क्लिक करने पर यह एप्लिकेशन एसएमएस को 4 अलग-अलग (रिलेटिव/फ्रेंड्स) नंबर पर करंट लोकेशन भेजेगा और आपातकालीन नंबर पर वॉयस कॉल भी शुरू करेगा।

झारखंड के नए राज्यपाल बने सी.पी. राधाकृष्णन

चर्चा में क्यों ?

12 फरवरी, 2022 को केंद्र सरकार ने तमिलनाडु के वरिष्ठ बीजेपी नेता सी.पी. राधाकृष्णन को झारखंड का नया राज्यपाल बनाया है। वह प्रदेश के वर्तमान राज्यपाल रमेश बैस का स्थान लेंगे।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में भगत सिंह कोश्यारी और लद्दाख के उपराज्यपाल के रूप में राधा कृष्णन माथुर के इस्तीफे को स्वीकृति दी है। और 13 राज्यपाल और उपराज्यपालों की नियुक्ति की है।
- सी.पी. राधाकृष्णन को झारखंड का राज्यपाल बनाया गया है वहीं झारखंड के राज्यपाल रमेश बैस की महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में नियुक्ति की गई है। सी.पी. राधाकृष्णन झारखंड के 11वें राज्यपाल होंगे।
- सी.पी. राधाकृष्णन दक्षिण भारत में बीजेपी के सबसे वरिष्ठ और सम्मानित नेताओं में से एक है। वे दो बार कोयंबटूर से लोकसभा के लिये चुने गए। वे तमिलनाडु बीजेपी इकाई के प्रदेश अध्यक्ष भी रहे। वर्तमान में सी.पी. राधाकृष्णन बीजेपी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के सदस्य हैं।
- सी.पी. राधाकृष्णन की गिनती दक्षिण भारत में बीजेपी के प्रमुख नेताओं में होती है। वे पिछले पाँच दशक से आरएसएस, जनसंघ और बीजेपी से जुड़े रहे।

झारखंड नगरपालिका (संशोधन) विधेयक-2022 को मिली स्वीकृति

चर्चा में क्यों ?

13 फरवरी 2023 को झारखंड के राज्यपाल रमेश बैस ने झारखंड नगरपालिका (संशोधन) विधेयक-2022 को स्वीकृति प्रदान कर दी है।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- इस विधेयक को स्वीकृति मिलने से अब नगर निगम में मेयर/अध्यक्ष के चुनाव में जनसंख्या के आधार पर आरक्षित वर्ग के लिये आरक्षण तय किया जाएगा। अर्थात् मेयर व अध्यक्ष पद का चुनाव रोस्टर के आधार पर नहीं होगा।
- इस संशोधित विधेयक में एसटी/एससी/ओबीसी में रोटेशन शब्द हटा दिया गया है। अर्थात् जो सीटें पहले एससी के लिये आरक्षित थी, वे सीटें अब एसटी या अन्य रिजर्व कैटेगरी के लिये आरक्षित किये जा सकेंगे।
- विदित है कि इस बार के चुनाव में रांची नगर निगम के मेयर पद के लिये एसटी से हटाकर एससी के लिये कर दिया गया था। इसका कई संगठनों ने विरोध किया तो राज्य सरकार नियम में संशोधन के लिये झारखंड विधानसभा में विधेयक लेकर आई। हालाँकि, इस विधेयक का भाजपा सहित अन्य दलों ने विरोध भी किया था।
- उल्लेखनीय है कि दिसंबर 2022 में झारखंड विधानसभा ने इस संशोधित विधेयक को पारित कर राज्यपाल के पास स्वीकृति के लिये भेजा था।

अजय कुमार सिंह बने झारखंड के नए डीजीपी

चर्चा में क्यों ?

14 फरवरी, 2023 को एक सरकारी अधिसूचना में जानकारी दी गई कि वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी अजय कुमार सिंह को झारखंड का नया पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियुक्त किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- 11 फरवरी को सेवानिवृत्ति हुए 1989 बैच के आईपीएस अधिकारी नीरज सिन्हा के बाद राज्य के नए पुलिस प्रमुख के रूप में इन्हें नियुक्त किया गया है।
- झारखंड के गृह, कारागार एवं आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि अजय कुमार सिंह (1989 बैच) को पुलिस महानिदेशक, झारखंड के रूप में स्थानांतरित और तैनात किया जा रहा है।
- गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने जनवरी में झारखंड सरकार और पूर्व डीजीपी नीरज सिन्हा के खिलाफ एक अवमानना याचिका का निस्तारण कर दिया था, जब राज्य सरकार ने कहा था कि उसे यूपीएससी से तीन आईपीएस अधिकारियों के नाम प्राप्त हुए हैं और 12 फरवरी को नए डीजीपी की नियुक्ति की जाएगी।

10वीं राष्ट्रीय रेस वॉक चैंपियनशिप संपन्न

चर्चा में क्यों ?

14-15 फरवरी, 2023 को राँची में 10वीं राष्ट्रीय रेस वॉक चैंपियनशिप का आयोजन किया गया।

प्रमुख बिंदु

- इस दो दिवसीय आयोजन में कुल छह राष्ट्रीय रिकॉर्ड बने, जिसमें पहले दिन जहाँ अक्षदीप सिंह, सूरज पंवार और प्रियंका गोस्वामी ने रिकॉर्ड बनाए, वहीं; दूसरे दिन रामबाबू, जुनैद और मंजू ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया।
- इस चैंपियनशिप में 35 किमी- पुरुष वर्ग में उत्तर प्रदेश के रामबाबू ने गोल्ड, हरियाणा के जुनैद ने सिल्वर व उत्तराखंड के चंदन सिंह ने ब्रांज जीता।
- वहीं 35 किमी- महिला वर्ग में पंजाब की मंजू ने गोल्ड, उत्तराखंड की पायल ने सिल्वर और उत्तर प्रदेश की वंदना पटेल ने ब्रांज जीता है।

नोट :

डीवीसी को मिला आईएसी कॉरपोरेट अवॉर्ड 2023

चर्चा में क्यों ?

17 फरवरी, 2023 को दामोदर वैली कॉरपोरेशन (डीवीसी) को सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों के वर्ग में इंडस्ट्री अकेडेमिया कॉन्फ्रेंस ने आईएसी कॉरपोरेट अवॉर्ड 2023 प्रदान किया।

प्रमुख बिंदु

- डीवीसी को 'भविष्य के लिये तैयार समावेशी संगठन बनाने में अग्रणी कार्य' में विजेता कि रूप में सम्मानित किया गया है।
- कंपनी की ओर से मेंबर सेक्रेटरी ने यह अवॉर्ड नई दिल्ली में प्राप्त किया।

राँची को मिलेगा दो अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता की मेजबानी का मौका

चर्चा में क्यों ?

18 फरवरी, 2023 को झारखंड के खेल निदेशक सरोजनी लकड़ा ने बताया कि राज्य की राजधानी राँची आनेवाले कुछ महीनों में दो अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता की मेजबानी करेगी। इसमें एक एथलेटिक्स का और दूसरा हॉकी का होगा।

प्रमुख बिंदु

- खेल निदेशक सरोजनी लकड़ा ने बताया कि राँची में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के इंफ्रास्ट्रक्चर को देखते हुए अंतर्राष्ट्रीय फेडरेशन की ओर से इसकी मेजबानी करने का मौका दिया जा रहा है। अक्टूबर या नवंबर में ये दोनों आयोजन राँची में होंगे।
- इसमें साउथ एशियन एथलेटिक्स (सैफ) चैंपियनशिप और हॉकी का इंटरनेशनल इवेंट का आयोजन शामिल है। सैफ एथलेटिक्स के आयोजन की तैयारी खेल निदेशालय की ओर से की जा रही है।
- सरोजनी लकड़ा ने बताया कि साउथ एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन पहली बार राँची में होगा। इसमें सात देशों के 400 से भी अधिक अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी राँची में शिरकत करेंगे।
- मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम में इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। विभाग की ओर से अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता की तैयारी चल रही है। इस वर्ष के अंत तक इसका आयोजन किया जा सकता है।
- हॉकी इंडिया के महासचिव और हॉकी झारखंड के अध्यक्ष भोलानाथ सिंह ने बताया कि मोरहाबादी के एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में इस वर्ष के अंत तक अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। झारखंड राज्य के गठन के बाद यह पहली बार होगा कि हॉकी की अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता राँची में होगी।

नेशनल पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में झारखंड को 21 गोल्ड समेत 32 पदक

चर्चा में क्यों ?

22 फरवरी, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ के भिलाई में आयोजित नेशनल पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में झारखंड के खिलाड़ियों ने 21 गोल्ड, सात सिल्वर और चार ब्रांज समेत कुल 32 पदक जीते।

प्रमुख बिंदु

- छत्तीसगढ़ के भिलाई में 17-22 फरवरी तक आयोजित नेशनल पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में झारखंड की आश्रिता तिर्की को सीनियर स्ट्रांगवुमैन ऑफ इंडिया, अखलाक खान को जूनियर स्ट्रांगमैन ऑफ इंडिया और आफताब आलम को बेस्ट लिफ्टर का खिताब मिला।
- झारखंड की ओर से गोल्ड जीतनेवालों में हर्ष आनंद, मंजीत टोप्पो, आनंद कर्मकार, मोनू कुमार, आफताब खान, अक्षय शुक्ला, असीम खलखो, भास्कर दुबे अखलाक खान, मोहम्मद उसमान, वसीम अंसारी, आश्रिता तिर्की, अंजलि कुमारी, कंवलजीत कौर, इशा श्रेया कुजूर शामिल हैं।
- इस चैंपियनशिप में राजन पांडेय, रोहित बिरुली, हर्ष आनंद, मोनू कुमार, आयुष कुमार, आनंद कर्मकार, स्नेहा कुमारी खुशबू सोय ने सिल्वर, जबकि नील अमृत, यशराज, कृष्णा नायक, आकाश मिंज ने ब्रांज जीता।
- विदित है कि झारखंड पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन के सचिव अशोक कुमार गुप्ता नेशनल रेफरी की भूमिका में थे।

नोट :

संगीत नाट्य अकादमी अवार्ड से सम्मानित हुए बाँसुरी वादक पंडित चेतन जोशी

चर्चा में क्यों ?

23 फरवरी, 2023 को देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में झारखंड के बोकारो ज़िले के प्रसिद्ध बाँसुरी वादक पंडित चेतन जोशी को संगीत नाट्य अकादमी अवार्ड-2019 के पुरस्कार से सम्मानित किया।

प्रमुख बिंदु

- पंडित चेतन जोशी भारतीय शास्त्रीय संगीत के जाने-माने बाँसुरी वादकों में गिने जाते हैं। 25 साल से बोकारो उनकी कर्मभूमि रही है। संगीत जगत में उनके योगदान को देखते हुए उन्हें यह अवार्ड मिला है।
- बाँसुरी वादक के रूप में पंडित चेतन जोशी के करियर की शुरुआत 1987 में सेक्टर पाँच के श्री गुरु गोविंद सिंह विद्यालय में बतौर संगीत शिक्षक हुई। 1988 में वहाँ से दिल्ली पब्लिक स्कूल सेक्टर-चार में संगीत शिक्षण कार्य के लिये आए। डीपीएस बोकारो में जनवरी 2012 तक वह विभिन्न पदों पर कार्यरत रहे, उसके बाद 2012 से ही ग्रेटर नोएडा में रहकर भारतीय शास्त्रीय संगीत तथा बाँसुरी प्रचार-प्रसार में लगे हुए हैं।
- पंडित जोशी ने बाँसुरी बजाने की अद्वितीय शैली को विकसित किया और यही उनकी पहचान बनी। उनके द्वारा विकसित की गई एक ही बाँसुरी में साढ़े तीन सप्तक बजाने की पद्धति का उल्लेख अब तक कई शोध पत्रों में प्रकाशित हो चुका है।
- पंडित चेतन जोशी को झारखंड सरकार की ओर से राज्य का सर्वोच्च कला सम्मान राजकीय सांस्कृतिक सम्मान-2006 भी मिल चुका है। उन्हें सुरमनी बिस्मिल्लाह सम्मान, सरस्वती सम्मान, महाराज स्वाति थिरुनाल अवार्ड, स्वर समाज सेवा अवार्ड, कला रत्न सम्मान, संगीत गौरव अवार्ड, संगीत भारती अवार्ड, तेजस्वी सम्मान भी मिल चुका है।

राष्ट्रपति पुरस्कार के लिये कोडरमा के अरकोशा और कंझाटांड़ गाँवों का चयन

चर्चा में क्यों ?

26 फरवरी, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार झारखंड के कोडरमा ज़िले में संचालित जल शक्ति अभियान के तहत 'कैच द रेन' के लिये कोडरमा के जरगा पंचायत स्थित कंझाटांड़ और सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त ग्राम के लिये मरकच्चो के अरकोशा पुनर्वास गाँव का चयन राष्ट्रपति पुरस्कार के लिये किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- दोनों गाँवों को देश का प्रतिष्ठित पुरस्कार 3 और 4 मार्च को नयी दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम के दौरान देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों मिलेगा।
- उल्लेखनीय है कि कोडरमा ज़िले के उपायुक्त आदित्य रंजन के नेतृत्व में ज़िला प्रशासन ने केंद्र और राज्य सरकार की महत्त्वाकांक्षी योजनाओं को धरातल पर उतारने में महत्त्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।
- ज़िले में नीलांबर पीतांबर जल समृद्धि योजना, बिरसा आम बागवानी योजना, कृषि विभाग से संचालित विभिन्न योजनाओं में कई उल्लेखनीय कार्य किया गया है। इसके अलावा जल शक्ति मंत्रालय पेयजल एवं स्वच्छता विभाग और जल संसाधन विभाग की योजनाओं का भी बेहतर तरीके से क्रियान्वयन किया जा रहा है।
- आगामी 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित स्वच्छता सुजल शक्ति सम्मान के लिये स्वच्छता, तरल कचरा प्रबंधन, ओडीएफ, प्लास्टिक कचरा प्रबंधन, कैच द रैन आदि योजनाओं में बेहतर कार्य करने वाली महिला प्रतिनिधि स्वच्छ ग्राही नेचुरल लीडर को सम्मानित करने के लिये बीते 5 फरवरी को ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किया गया था। इसमें ज़िले से 4 प्रतिभागियों को नामित किया गया था।
- इन प्रतिभागियों में से जल शक्ति अभियान के तहत कैच द रेन और सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त ग्राम के लिये कंझाटांड़ और अरकोशा का चयन राष्ट्रपति पुरस्कार के लिये किया गया है।

नोट :

भारतीय महिला फुटबॉल टीम के राष्ट्रीय कैंप के लिये सिमडेगा की 2 महिला फुटबॉलर चयनित

चर्चा में क्यों ?

26 फरवरी, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार अंडर-17 सैफ महिला फुटबॉल चैंपियनशिप 2023 के लिये भारतीय महिला फुटबॉल टीम के राष्ट्रीय कैंप के लिये सिमडेगा की दो महिला फुटबॉलरों (विकसित बाड़ा और सौलिना डांग) का चयन हुआ है।

प्रमुख बिंदु

- उल्लेखनीय है कि अंडर-17 सैफ महिला फुटबॉल चैंपियनशिप 2023 का आयोजन 20 से 29 मार्च तक बांग्लादेश में किया जाएगा।
- विदित है कि इस चैंपियनशिप के लिये 20 से 22 फरवरी तक मध्य प्रदेश के इंदौर में भारत के 100 से अधिक महिला फुटबॉल खिलाड़ियों को ऑल इंडिया फुटबॉल महासंघ की ओर से ट्रायल लिया गया था, जिसमें 35 खिलाड़ियों का राष्ट्रीय कैंप के लिये चयन हुआ, जिसमें सिमडेगा की दो खिलाड़ी विकसित बाड़ा और सौलिना डांग भी शामिल हैं।
- दोनों खिलाड़ी संत पात्रिक आवासीय बालिका फुटबॉल प्रशिक्षण केंद्र गुमला में फुटबॉल कोच बीना के संरक्षण में ट्रेनिंग ले रही हैं।
- विकसित बाड़ा सिमडेगा के कोलेबिरा प्रखंड के रसिया के दोकाटोली की रहने वाली है, वहीं सौलिना डांग बानो प्रखंड की बांकी पंचायत के हेलगारहा की रहने वाली है।
- ज्ञातव्य है कि हॉकी सिमडेगा के अध्यक्ष मनोज कोनबेगी ने सिमडेगा की इन दोनों महिला फुटबॉल खिलाड़ियों को कोरोना काल के समय आर्थिक रूप से एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराकर मदद की गई थी।
- गौरतलब है कि रसिया की रहने वाली विकसित बाड़ा आर्थिक रूप से कमज़ोर परिवार की रहने वाली है तथा सौलिना डांग भी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र की रहने वाली है। खेतीबाड़ी के अलावा मज़दूरी कर परिवार का भरण-पोषण होता है।

The Vision

नोट :